ॐ जय शिव ओंकारा | By Tripti Shakya |

ॐ जय शिव ओंकारा,
स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव,
अर्द्धांगी धारा॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

एकानन चतुरानन,
पंचानन राजा।
हंसासन गरूड़ासन,
वृषवाहन साजा॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

दो भुज चार चतुर्भुज,
दशभुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखता,
त्रिभुवन जन मोहे॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

अक्षमाला वनमाला,
मुंडमाला धारी।
त्रिपुरारी कंसारी,
कर माला धारी॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

श्वेतांबर पीतांबर,
बाघंबर अंगे।
सनकादिक ब्रह्मादिक,
भूतादिक संगे॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

कर के मध्य कमंडल,
चक्र त्रिशूल धर्ता।
जगकर्ता जगभर्ता,
जगसंहारकर्ता॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव,
जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर में शोभित,
ये तीनों एका॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

लक्ष्मी गौरी सरस्वती,
सेवत हरि नित।
प्रेम सहित सेवत,
हरि के सब नित॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

जो कोई गावे आरती,
शिव जी की प्यारी।
सकल कष्ट हर लेता,
सब सिद्धि दे तारी॥
ॐ जय शिव ओंकारा॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%93%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-tripti-shakya/